नो यूअर केस: 683 लोगों ने जाना शिकायतों व एफआईआर का स्टेटस

चंडीगढ़, 5 मई (लूना): नो यूअर केस के अधीन शनिवार को 16 पुलिस स्टेशनों व विभिन्न यूनिटों में 683 लोगों ने जाकर अपनी शिकायतों व एफ.आई.आर. का स्टेटस जाना। शनिवार को कैप सभी पुलिस स्टेशन, क्राइम ब्रांच, साइबर सेल, आपरेशन सेल और ट्रैफिक विंग में लगाया था।

सैक्टर-26 थाने मे स्टेट जानने पहुंचे लोग। (अनिल)

सभी कैंप की सुपरविजन डीएसपी खुद कर रहे थे। सबसे ज्यादा केसों की जानकारी सैक्टर 11 पुलिस स्टेशन में पहुंचकर लोगों ने ली।

सैक्टर 11 पुलिस स्टेशन में 63, सैक्टर 3 थाने में 34, सारंगपुर में 42, सैक्टर 17 थाने में 55, सैक्टर 19 में 25, सैक्टर 26 में 35, इंडस्ट्रियल एरिया में 29, मनीमाजरा में 58, मौलीजागरां में 20, सैक्टर थाने में 35, सैक्टर 34 थाने में 58, सैक्टर 36 थाने में 20, सैक्टर 39 थाने में 45, सैक्टर 49 थाने में 26, मलोया थाने में 25, वूमन पुलिस स्टेशन में आठ, साइबर सेल में 50, आर्थिक अपराध शाखा में 15, क्राइम ब्रांच में एक और समन स्टाफ में दो लोग अपने केसों का स्टेटस पूछने आए थे।

क्राइम ब्रांच ने बरामद किए 250 इंजैक्शन

2 तस्कर गिरफ्तार, अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा » अंबाला के शुक्ला कैमिस्ट से सस्ते रेट में लाकर चंडीगढ़ में करते थे सप्लाई

बाएं मुकेश व दाएं गोल्डी को क्राइम ब्रांच की टीम कोर्ट में पेश करने ले जाती हुई।

चंडीगढ़, 5 मई (लूना): क्राइम ब्रांच की टीम ने आई.पी.एस. एस.पी. रवि कुमार सिंह की सुप्रवीजन में डी.एस.पी. अमराओ सिंह, इंस्पैक्टर क्राइम ब्रांच अमनजोत सिंह व उनकी टीम द्वारा शहर में सप्लाई हो रहे इंजैक्शनों की खेप बरामद कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच की टीम ने नशे के कुल 250 इंजैक्शनों के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो सबसे ज्यादा इंजैक्शन सैक्टर-22 में सप्लाई कर रहे थे। ये इंजैक्शन फेनीरामाइन व बुप्रीनॉरफाइन हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जीरकपुर के शिव एन्क्लेव निवासी 31 साल मुकेश राजपूत व 30 साल के शहीद मेजर पाल स्ट्रीट, मुंडी खरड़ निवासी कुलबीर सिंह उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है।

पहला ट्रैप

इंस्पैक्टर अमनजोत सिंह को गुप्त सूचना मिली कि मुकेश राजपूत 200 इंजैक्शन लेकर एयरपोर्ट लाइट प्वांइट के पास से निकलेगा। सूचना के अधार पर पुलिस ने टीम गठित की जिसमें सब इंस्पैक्टर सतविन्द्र सिंह, सब इंस्पैक्टर गुरमीत सिंह, हैड कांस्टेबल दुर्जन सिंह, कांस्टेबल सुरजीत व कांस्टेबल विकास हुड्डा को शामिल किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने वहां पर ट्रैप लगाकर आरोपी को धर दबोचा और मिली सूचना के अधीन उसके पास से 200 इंजैक्शन बरामद कर लिए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि इंजैक्शन दूसरे तस्कर गोल्डी को देने जा रहा था।

दूसरा ट्रैप

क्राइम ब्रांच के इंस्पैक्टर अमनजोत को एक अन्य सूचना मिली कि कुलबीर सिंह उर्फ गोल्डी मलोया टर्न के नजदीक किसी को 50 इंजैक्शन सप्लाई देने का जा रहा है। सूचना केअधार पर फिर से एक अन्य टीम तैयार की गई जिसमें सब इंस्पैक्टर नवीन, हैड कांस्टेबल अजमेर, हैड कांस्टेबल जगतार सिंह, हैड कांस्टेबल नरिन्द्र व बलकार को शामिल किया गया। इस टीम को भी उस समय कामयाबी हासिल हुई जब पुलिस ने मलोया के वाटर वर्कस के पास से गोल्डी को 50 इंजैक्शनों समेत काबू किया। पूछताछ में उसने बताया कि ये इंजैक्शन वो किसी को सप्लाई करने आया था और उसने और इंजैक्शन मुकेश से मंगवाए हुए हैं।

...और यूं था दोनों तस्करों का आपसी तालमेल

सूत्रों के मुताबिक पकड़ा गया मुकेश राजपूत अंबाला के शुक्ला कैमिस्ट से 80 रुपयों का एक इंजैक्शन खरीददता था और वो आगे कुलबीर सिंह गोल्डी को 150 रुपए में देता था। मुकेश एक इंजैकशन के पीछे 70 रुपए कमाता था और फिर गोल्डी 150 रुपयों को एक इंजैक्शन मुकेश से खरीदने के बाद आगे 500 रुपयों का बेचता था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गोल्डी सबसे ज्यादा सैक्टर-22 में इंजैक्शन सप्लाई कर रहा था ।इसके अलावा वो मलोया के अलावा शहर की कई कालोनियों में भी सप्लाई कर रहा था। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने मुकेश राजपूत के खिलाफ सैक्टर-31 थाने व गोल्डी के खिलाफ मलोया थाने में एनडीपीएस एक्ट-22 के तहत केस दर्ज करवाकर दोनों तस्करों को शनिवार जिला अदालत में पेश किया, जहां अदालत ने दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। सूत्रों का कहना है कि दोनों तस्करों ने पुलिस के समक्ष कुछ और तस्करों के नाम उगले हैं जिन पर क्राइम ब्रांच की टीम ने काम करना शुरू कर दिया है।

दैनिक सवेरा
Sun, 06 May 2018
dainiksaveratimes.epapr.in/c/28436009

683 लोगों ने जाना अपने केस का स्टेटस

चंडीगढ़। यूटी पुलिस की ओर से 'नो योर केस' स्कीम के तहत शनिवार को शहर के सभी पुलिस थानों, क्राइम ब्रांच, साइबर सेल, ऑपरेशन सेल और ट्रैफिक विंग में कैंप आयोजित किए गए। इस दौरान 683 लोगों ने अपनी शिकायतों और दर्ज एफआईआर की स्टेटस की जानकारी हासिल की। इन कैंप की सुपरविजन खुद डीएसपी कर रहे थे। सबसे ज्यादा केसों की जानकारी सेक्टर-11 पुलिस स्टेशन में पहुंचकर लोगों ने ली। सेक्टर-11 पुलिस स्टेशन में 63, सेक्टर-3 थाने में 34, सारंगपुर में 42, सेक्टर-17 थाने में 55, सेक्टर-19 में 25, सेक्टर-26 में 35, इंडस्ट्रियल एरिया में 29, मनीमाजरा में 58, मौलीजागरां में 20, सेक्टर-31 थाने में 35, सेक्टर-34 थाने में 58, सेक्टर-36 थाने में 20, सेक्टर-39 थाने में 45, सेक्टर-49 थाने में 26, मलोया थाने में 25, वूमन पुलिस स्टेशन में 8, साइबर सेल में 50, आर्थिक अपराध शाखा में 15, क्राइम ब्रांच में एक और समन स्टाफ में दो लोग अपने केसों का स्टेटस जानने पहुंचे।